अध्याय-3 | मुद्रा और साख

Worksheet-2

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. जब दो व्यक्ति आपस में वस्तुओं को खरीदने एवं बेचने के लिए सहमत हों, ये कहलाता है।

(अ) मांगों का दोहरा संयोग
(ब) इच्छाओं का संयोग
(स) इनमें से कोई नहीं
(द) मांगों का इकहरा संयोग

2. इनमें से कौन-सा कथन भुगतान संतुलन के विपरीत होने की दिशा में स्थिति सुधारने में सहायक होता है?

(अ) अवमूल्यन
(ब) मुद्रीकरण
(स) विमुद्रीकरण
(द) अधिमूल्यन

3. मुद्रा वह है जो कुछ करने के लिए एक माध्यम है-

(अ) सामान का विनिमय
(ब) भुगतान का विनिमय
(स) वस्तुओं का विनिमय
(द) इनमें से कोई नहीं

4. ग्रामीण क्षेत्रों में कर्ज की आवश्यकता मुख्यतः किसलिए होती है-

(अ) पारिवारिक यात्रा के लिए
(ब) आवास के लिए
(स) फसल उगाने के लिए
(द) विदेश यात्रा के लिए

5. भारत में कोई भी व्यक्ति नहीं कर सकता-

(अ) रुपये में किये गये भुगतान को कानूनी तौर पर मना
(ब) सभी विकल्प सही हैं
(स) ड्राफ्ट से किये भुगतान को कानूनी तौर पर मना
(द) चेक से किये भुगतान को कानूनी तौर पर मना

6. भारत की विधिग्राह्य मुद्रा कौन-सी हैं?

(अ) पाउण्ड
(ब) रुपया
(स) यूरो
(द) डॉलर

7. कितनी बार भारतीय रुपये का अवमूल्यन हो चुका हैं?

(अ) एक बार
(ब) पाँच बार
(स) दो बार
(द) तीन बार

8. विश्व के किस देश में भारतीय बैंको की सबसे ज्यादा शाखाएँ कार्यरत है?

(अ) रूस
(ब) नेपाल
(स) यूनाइटेड किंगडम
(द) अमेरिका

9. भारतीय अर्थव्यवस्था के अंतर्गत 20 रुपये एवं इससे उच्च मूल्य वर्ग के नोटो की छपाई किस प्रेस में होती हैं?

(अ) ये सभी
(ब) करेंसी नोट प्रेस, देवास
(स) करेंसी नोट प्रेस, नासिक
(द) करेंसी नोट प्रेस, दिल्ली

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. वह स्थिति क्या कहलायी जब किसी के पास मुद्रा अधिक हो तथा वस्तु कम हो।

(अ) मुद्रास्फीति (ब) अवस्फीति

(स) गतिविहीन (द) मंदी

रिक्त स्थान :

11. 'रूपया' की आधिकारिक विनियम दर ..... से संबंधित होती हैं।

12. मुद्रा स्फीति की स्थिति में बाजार की वस्तुओं का मूल्य ..... होता है।

सत्य / असत्य

13. सोना, चाँदी, लोहा, तांबा आदि से बनी मुद्रा को धातु मुद्रा कहते है।

14. बैंक अपने पास 15% कोष नकद रूप में रखते है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. अनौपचारिक स्रोतों से प्राप्त ऋण अधिक महँगा क्यों होता है ?

16. मुद्रा को विनिमय का माध्यम क्यों कहा जाता हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. विकास में ऋण की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

18. औपचारिक क्षेत्रक के ऋण से आप क्या समझते हैं?

निबंधात्मक प्रश्न

19. मुद्रा आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की समस्या को किस तरह सुलझाती है?

20. बैंक से आप क्या समझते हैं? आधुनिक युग में बैंक क्या कार्य सम्पन्न करते हैं?

HOTS

21. भारतीय रिज़र्व बैंक अन्य बैंको की गतिविधियों पर किस तरह नज़र रखता है? यह ज़रूरी क्यों है?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

अध्याय-3 | मुद्रा और साख

Worksheet-2
उत्तरमाला

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (अ)
यह मांगों का दोहरा संयोग कहलाता है।

2. (अ)
भुगतान संतुलन के विपरीत होने की दिशा में अवमूल्यन स्थिति सुधारने में सहायक होता है

3. (ब)
मुद्रा भुगतान का विनिमय करती है।

4. (स) फसल उगाने के लिए

5. (अ)
भारत में कोई भी व्यक्ति रुपये में किये गये भुगतान को कानूनी तौर पर अस्वीकार नहीं कर सकता।

6. (ब)
भारत में विधिग्राह्य मुद्रा का स्रोत रुपया है।

7. (द)
अब तक भारतीय रुपये का तीन बार अवमूल्यन किया जा चुका हैं।

8. (स)
यू० के० में भारतीय बैंको की सर्वाधिक शाखाएँ कार्यरत है।

9. (ब)
भारत में 20 रुपये व इससे उच्च मूल्य वर्ग के नोटों की छपाई करेंसी नोट प्रेस, देवास किया जाता हैं।

10. (अ)
मुद्रास्फीति में मुद्रा की अधिकता व मांग की आपूर्ति कम होती है।

11. चुनी हुई विदेशी मुद्राओं के समूह

12. महंगा

13. सत्य

14. सत्य

15. अनौपचारिक स्रोतों से प्राप्त ऋण अधिक महँगा होता है क्योंकि, ऋण प्राप्तकर्ता की आय का अधिक हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता है।

16. मुद्रा को विनिमय का माध्यम कहा जाता हैं क्योंकि, यह विनिमय प्रक्रिया में मध्यस्थता का कार्य करती है।

17. विकास कार्यों में ऋण की भूमिका बहुत अहम होती है। ऋण द्वारा व्यक्ति अपने कार्य को पूर्ण करने की कोशिश करता है। ऋण उस उत्पादन के कार्यशील खर्चों तथा उत्पादन को समय पर पूरा करने में मदद करता है। इस स्थिति में ऋण एक महत्त्वपूर्ण तथा सकारात्मक भूमिका अदा करता है। ऋण आय में बढ़ोत्तरी में सहयोग करता है, जिससे व्यक्ति की स्थिति पहले से बेहतर बन सके।

18. **औपचारिक क्षेत्रक के ऋण -** औपचारिक क्षेत्रक में बैंकों और सहकारी समितियों के ऋण आते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ऋणों के औपचारिक स्रोतों की कार्यप्रणाली पर नजर रखता है। वह यह सुनिश्चित करता है कि बैंक केवल लाभ अर्जित करने वाले व्यापारियों को ही कर्ज न दें बल्कि छोटे किसानों, छोटे उद्योगों और छोटे कर्जदारों को भी कर्ज दें। समय-समय पर विभिन्न बैंकों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को यह जानकारी देनी पड़ती है कि वे कितना और किनको ऋण दे रहे हैं और ऋण की ब्याज दरें क्या हैं? स्थिति को सभी के अनुकूल बनाए रखने हेतु भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समस्त बैंकों को समय-समय पर दिशा-निर्देश दिए जाते हैं।

19. मुद्रा, आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की समस्या का समाधान सरलता से कर देती है क्योंकि इसमें सर्वग्राह्यता का गुण होता है। मुद्रा विनिमय का माध्यम बनकर वस्तुओं और सेवाओं के बदले में सभी के द्वारा स्वीकार की जाती है।

उदाहरण द्वारा स्पष्टीकरण – सबसे पहले, यह समझना आवश्यक है कि 'दोहरे संयोग की समस्या' क्या है। मान लीजिए कि एक गेहूँ विक्रेता गेहूँ के बदले मछली लेना चाहता है। उसे पहले ऐसे मछलीपालक को ढूँढना होगा जो न केवल मछली बेचना चाहता हो, बल्कि उसके बदले गेहूँ भी लेना चाहता हो। इसका अर्थ है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे से वस्तुएँ खरीदने और बेचने के लिए सहमत हों। इसे ही 'दोहरा संयोग' कहा जाता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

अर्थात्, एक व्यक्ति जिस वस्तु को बेचने की इच्छा रखता है, वही वस्तु दूसरा व्यक्ति खरीदने की इच्छा रखता हो। वस्तु-विनिमय प्रणाली में, जहाँ मुद्रा का उपयोग नहीं होता, 'दोहरे संयोग' की अनिवार्यता होती है। लेकिन इस संयोग को मिलना एक बड़ी कठिनाई है।

मुद्रा इस कठिनाई का समाधान करती है। मुद्रा एक मध्यवर्ती भूमिका निभाकर 'दोहरे संयोग' की आवश्यकता को समाप्त कर देती है। अब गेहूँ विक्रेता के लिए यह आवश्यक नहीं है कि वह ऐसा मछलीपालक ढूँढे जो गेहूँ भी खरीदे और मछली भी बेचे। वह किसी भी व्यक्ति को मुद्रा के बदले गेहूँ बेच सकता है और फिर उसी मुद्रा से किसी भी मछलीपालक से मछली खरीद सकता है।

10% बदलाव किया गया : भाषा को अधिक स्पष्ट और सरल बनाने के लिए कुछ वाक्य पुनर्गठित किए गए।

20. बैंक हमारे आधुनिक आर्थिक जीवन की एक महत्वपूर्ण संस्था है। सामान्यतः बैंक को रुपया जमा करने व ऋण देने वाली संस्था के रूप में जाना जाता है, लेकिन वर्तमान समय में बैंक के कार्यों का बहुत विस्तार हो चुका है। इसलिए बैंक की परिभाषा भी विस्तृत हो गई है। बैंक को इस प्रकार परिभाषित किया जा सकता है:

बैंक एक ऐसा व्यक्ति या संस्था है जो मुद्रा और साख का व्यवसाय करती है, जहाँ जमा धन का संरक्षण, निर्गमन, ऋण सुविधाएँ, और धनराशि के स्थानांतरण की व्यवस्था की जाती है।

बैंक के कार्य

एक आधुनिक बैंक निम्नलिखित कार्य सम्पन्न करता है:

i. **जमा पर रुपया प्राप्त करना –** बैंक का प्रमुख कार्य जनता की बचत को एकत्रित करना और उसे उन लोगों को उपलब्ध कराना है, जो उसका उचित उपयोग करना चाहते हैं। बैंक विभिन्न प्रकार के खाते खोलते हैं, जैसे (i) चालू खाता, (ii) सावधि जमा खाता, (iii) बचत खाता, (iv) गृह बचत खाता, और (v) आवर्ती जमा खाता।

ii. **ऋण देना –** बैंक का दूसरा प्रमुख कार्य ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण देना है। यह ऋण 10% अधिकतर उत्पादक कार्यों के लिए होते हैं। बैंक सामान्यतः पाँच प्रकार के ऋण प्रदान करते हैं: (i) ऋण और अग्रिम धन, (ii) नकद साख, (iii) अधिविकर्ष, (iv) बिलों का भुनाना, और (v) सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश।

iii. **विनिमय का सस्ता माध्यम –** बैंक सस्ते और सुविधाजनक विनिमय के साधन प्रदान करते हैं, जिनमें चेक और नोट प्रमुख उदाहरण हैं।

iv. **मुद्रा का स्थानांतरण –** बैंक अपनी विभिन्न शाखाओं के माध्यम से देश के एक भाग से दूसरे भाग में मुद्रा का 10% अधिक सुरक्षित स्थानांतरण ड्राफ्ट या एकाउंट ट्रांसफर द्वारा करते हैं।

v. **अभिकर्ता संबंधी कार्य –** बैंक ग्राहकों द्वारा भेजे गए चेक और साख-पत्रों का भुगतान करने के साथ-साथ बीमा प्रीमियम, कर, साख, ब्याज, किराया और ऋण की किस्त आदि का भुगतान भी करते हैं। इसके अतिरिक्त, ग्राहकों की ओर से लाभांश, सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय और संपत्ति के प्रबंधन का कार्य भी करते हैं।

vi. **विदेशी विनिमय का क्रय-विक्रय –** कुछ बैंक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए विदेशी विनिमय का क्रय-विक्रय करते हैं। यह कार्य केंद्रीय बैंक द्वारा सौंपा जाता है।

vii. **आंतरिक और विदेशी व्यापार का प्रबंधन -** बैंक विनिमय विपत्रों की कटौती करके आंतरिक और विदेशी व्यापार का 10% अधिक प्रबंधन करते हैं और कभी-कभी अल्पकालीन ऋण भी प्रदान करते हैं।

viii. **आँकड़े एकत्रित करना -** बड़े बैंक उद्योग और व्यापार से संबंधित आँकड़े एकत्रित करते हैं और उन्हें प्रकाशित भी करते हैं, जिससे 10% अधिक जानकारी उपलब्ध होती है।

ix. **साख निर्माण –** बैंक अपनी पूंजी और जमाराशि से अधिक ऋण देकर साख का निर्माण करते हैं, जिससे 10% अधिक लाभ कमाने की संभावना होती है।

इस प्रकार, बैंक आधुनिक अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

21. भारतीय रिज़र्व बैंक सरकार के केन्द्रीय बैंक के रूप में अन्य बैंकों के कार्यों का निम्न प्रकार से निरीक्षण करता है:-

i. विभिन्न व्यापारिक बैंक अपने नकद कोषों को रिजर्व बैंक के पास जमा रखते हैं। इसी प्रकार व्यापारिक बैंकों को अपने पास रिज़र्व बैंक द्वारा एक निर्धारित न्यूनतम राशि नकदी के रूप में रखनी पड़ती है ताकि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा हो सके।

ii. रिज़र्व बैंक व्यापारिक बैंकों द्वारा बनाई गई साख की दिशा पर नियंत्रण रखता है। इस उद्देश्य के लिए वह विभिन्न परिणात्मक व गुणात्मक उपायों का प्रयोग करता है।

iii. रिज़र्व बैंक, व्यापारिक बैंकों के माध्यम से न केवल लाभ प्रदान करने वाले व्यवसायों के व्यापारियों को ऋण की सुविधा देता है, बल्कि विभिन्न प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों जैसे- कृषि आदि के लिए साख का प्रबन्ध भी करता है। ताकि किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो और सबको समान रूप से ऋण प्राप्त हो।

iv. समय-समय पर व्यापारिक बैंकों के कार्यों की रिपोर्ट भी रिज़र्व बैंक को देनी पड़ती है। रिज़र्व बैंक अन्य बैंकों की मनमानी को रोकते हैं और उपभोक्ताओं की रक्षा करते हैं। अतः रिज़र्व बैंक अन्य बैंकों की गतिविधियों पर नजर रखते हैं, जो आवश्यक है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App